सुप्रसिद्ध विचारकों एवं मनीषियों की दृष्टि में गोम्मटेश्वर बाहुबली

आज श्रवणबेलगोला में केवल जैन ही नहीं अपितु जैनेतर तथा विदेशी एवं कला के प्रेमी लाखों लोग भगवान बाहुबली स्वामी की दिव्य मूर्ति के दर्शन के लिए आते हैं । भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि 'भगवान गोम्मटेश्वर बाहुबली की प्रतिमा विश्व में सबसे ऊंची और अद्वितीय है।'

महामना काका कालेकर ने इस मूर्ति का दर्शन करके कहा था ''एक ही पत्थर से उकेरी गई ऐसी सुन्दर मूर्ति संसार में कोई दूसरी नहीं है। इतनी बड़ी मूर्ति भी इतनी सलोनी और सुन्दर है कि भक्ति के साथ–साथ प्रेम की भी अधिकारी हो गई है ।''

इन्दिरा गांधी ने अपने पिता पंडित जवाहरलाल नेहरू के साथ इस मनोरम प्रतिमा का दर्शन करते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कि ''यह मूर्ति शांति और सुन्दरता का संगम है। इस मूर्ति को देखने के बाद मन में एक नई भावना पैदा होती है । यह मूर्ति हजार वर्षों में शांति, मैत्री और अहिंसा का मार्ग दिखा रही है ।'' महामस्तिकाभिषेक 2006 का उद्घाटन करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम डॉ. अब्दुल कलाम ने कहा था कि 'भगवान बाहुबली की प्रतिमा त्याग, संयम और अहंकार की निवृत्ति का सम्यक प्रतीक है । दिगम्बरत्व में खड़ी यह प्रतिमा सभी प्रकार की इच्छाओं पर विजय प्राप्ति के साथ पूर्ण स्वतंत्रता का पथ दर्शन देती है। यह संदेश सारे देश में फैलें।' उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत ने 6 फरवरी 2006 को राज्याभिषेक का शुभारंभ करते हुए श्रवणबेलगोला में कहा था कि 'भगवान बाहुबली का जीवन त्याग और तपस्या का संदेश देता है ।' पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच डी देवगौड़ा ने तो 2006 में स्वयं उपस्थित होकर व्यवस्थायें देखी थी । आचार्य श्री वीरसागरजी महाराज कहा करते थे कि 'मनुष्य पर्याय को पाकर जिसने तीन तीर्थों के दर्शन नहीं किये उसका जीवन व्यर्थ चला गया 1. सिद्धक्षेत्रों में सम्मेदशिखरजी, 2. अतिशय क्षेत्रों में श्रवणबेलगोला के भगवान बाहुबली और 3. साधुओं में चारित्रचक्रवर्ती आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज ।' महाकवि भगवज्जिनसेनाचार्य जी ने भगवान बाहुबली को लक्ष्य करके इस प्रकार लिखा है – जगति जयिनमेनं येगिनं योगिवर्यैः, अधिगत महिमानं मानितं मानीनीयैः । स्मरति हृदि नितान्तं यः सशन्तान्तरात्मा, भजति विजय लक्ष्मीपाशु जैनीमजय्यम् ।। गोम्मटसार ग्रंथ में मूर्ति के निर्माता श्री चामुण्डराय को आशीर्वाद देते हुए नेमीचंद्राचार्य जी ने लिखा है – जेण विणिम्मिय-पडिया-वयणं-सबट्ठ सिद्धि देवेहिं। सत्व परकोहि–जोगेहिं दिट्ठ सो गोम्यटो जयऊ।। अर्थात् जिसके द्वारा निर्मापित की गई मूर्ति के मुख का सर्वार्थसिद्धि के देवों और परमावधि–सर्वावधि ज्ञान के धारक योगीन्द्रों ने दर्शन किया है वह गोम्मटराजा जयवंत हों। चामुण्डराय का खास नाम 'गोम्मट' होने से उनके आराध्य बाहुबली स्वामी को 'गोम्मटेश्वर' यह नाम प्रसिद्धि को प्राप्त हुआ ।

गोम्मटेश्वर द्वार के बाईं तरफ एक पाषाण पर शिलालेख है जो कि शक संवत् 1102 का है । उसमें कन्नड़कवि पं. बोप्पण ने मूर्ति की महिमा को प्रकट करते हुए एक काव्य कहा है, जिसका अर्थ यह है कि 'जब मूर्ति आकार में बहुत ऊंची और बड़ी होती है, तब प्रायः उसमें सौन्दर्य का अभाव रहता है । यदि मूर्ति बड़ी भी हुई और उसमें सौन्दर्य भी रहा तो भी उसमें दैवी चमत्कार का होना असंभव–सा है, किन्तु आश्चर्य है कि यहां इस गोम्मटेश्वर की मूर्ति में तीनों का मेल दिख रहा है । अर्थात् यह मूर्ति 57 फुट ऊंची होने से बहुत बड़ी है, सौन्दर्य में बेजोड़ है और दैवी चमत्कार को प्रकट करने वाली है । अतः यह प्रतिबिम्ब संपूर्ण विश्व द्वारा पूजित होने से अपूर्व है ।

यहां मन नहीं बल्कि यहां की प्राकृतिक सुषमा में डूबता या खो जाता है । श्रवणबेलगोला की इस पावन धारा को प्रकृति–नदी ने लीला-धाम ही बना लिया है । यहां जो भी आता है, वह विस्मय–विमुग्ध हुए बिना नहीं रहता । आज का विश्व अनेक व्याधियों में, विविध आपत्तियों में निमग्न होकर पीड़ा के कारण कष्ट पा रहा है । वह यदि भगवान गोम्मटेश्वर बाहुबली के चरणों का आश्रय ले, तो उसे प्रभु की मौनी मूर्ति यह उपदेश देगी कि 'यदि तुम्हें शांति चाहिए, तो मेरे पास आ जाओ और मेरे समान जगत के मायाजाल का त्याग कर प्रकृति प्रदत्त मुद्रा को धारण करो। क्रोध, मान, माया, लोभ का परित्याग करो, फिर देखो तुम्हारा दुख दूर कैसे नहीं होता है ।'

यहां के शिलालेख भव्य, प्राचीन मंदिर और विशाल मूर्तियां न केवल जैन दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं , प्रत्युत भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति, कला, पुरातत्व और इतिहास की ये सब बहुमूल्य धरोहर है । गोम्मटेश्वर बाहुबली की मूर्ति का स्वयं में एक इतिहास है । साथ ही दिव्य चमत्कारों और भव्य आधि दैविक प्रतीकों से उसका अभिन्न सम्बंध है, यह सब धार्मिक आस्थाओं की फलश्रुति हो सकती है परन्तु इसमें कोई संदेह नहीं कि श्रवणबेलगोला की यह मूर्ति उदात्त लावण्य युक्त कलाकृति स्वयं में पूर्णता की प्रतीक है । आस्थावना श्रद्धालु ही नहीं कला मर्मज्ञ और सौन्दर्य प्रेमी भी उसे देख अघाते नहीं हैं।

महामस्तकाभिषेक 2018 : इस बार महामस्तिकाभिषेक का आयोजन 7 फरवरी 2018 में शुरु हो रहा है । जिसकी तैयारियां जोरों पर है । बारह वर्ष बाद होने वाले इस महामस्तिकाभिषेक का आयोजन परम पूज्य वात्सल्य वारिधि, पूज्य जैनाचार्य श्री 108 वर्धमानसागरजी महाराज के ससंघ सान्निध्य में, कर्मयोगी भट्टारक स्वस्ति श्री चारुकीर्तिजी स्वामी के मार्गदर्शन में संपन्न होने जा रहा है । इस अवसर पर अनेक साधु संतों का समागम भी प्राप्त होगा । कर्नाटक सरकार भी इस आयोजन को सफल बनाने में जुटी हुयी है । महोत्सव का सम्पूर्ण कवरेज विभिन्न चैनलों पर लाइव दिखाया जायेगा । अभिषेक होने के समय, अभिषेक के बाद एवं आरती के समय विभिन्न आकर्षक रुप दिया जायेगा, जो मनोरम, मनभावन होगा । इस वृहद आयोजन में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री, अनेक केन्द्रीय व राज्यमंत्रियों के साथ सैकड़ों की संख्या में जैन संत व लाखों जैन जैनेतर श्रद्धालुगण बारह वर्ष बाद होने वाले इस महामस्तिकाभिषेक में पूरी श्रद्धा आस्था के साथ पहुंचने की उम्मीद है । आयोजन को लेकर पूरे भारतवर्ष में अनेक समिति, उपसमितियों का गठन कर तैयारियां अंतिम दौर में चल रही है । महामस्तिकाभिषेक को लेकर देशभर में उत्साह की लहर व्याप्त है । श्रवणबेलगोला में विराजमान परम पूज्य आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज ने अपने संदेश में कहा है कि 'श्रवणबेलगोला श्रमणों की प्रिय भूमि रही है । यहाँ अंतिम श्रुतकेवली भद्रबाहु स्वामी समाधि को प्राप्त हुए । भगवान बाहुबली जो प्रथम मोक्षगामी हैं उनकी अति मनोज्ञ कृति यहां से संपूर्ण विश्व को अहिंसा से सुख, त्याग से शांति, मैत्री से प्रगति, ध्यान से सिद्धि का संदेश प्रदान कर रही है । भगवान बाहुबली का महामस्तिकाभिषेक विश्व शांति का अनूठा अनुष्ठान होगा व विश्व शांति की प्रक्रिया में अपना योगदान देगा ।

महामस्तिकाभिषेक को ऐतिहासिक बनाने में कर्मयोगी स्वस्तिश्री भट्टारक चारुकीर्ति जी स्वामी का श्रम देखने योग्य हैं, उनके नेतश्त्व में यह महत महनीय आयोजन एक नया आयाम स्थापित करेगा । यद्यपि भगवान बाहुबली तीर्थंकर नहीं थे फिर भी उनकी मूर्तियों की परंपरा अतीव प्राचीन है, यह उनके अप्रतिम त्याग और तपश्चरण का ही प्रभाव है जो कि आज उनकी मूर्ति की स्थापना से दिगम्बरत्व के गौरव को सर्वतोमुखी कर रहा है और आगे भी करता ही रहेगा । यह गोम्मटेश्वर बाहुबली की मूर्ति भी युग युग तक असंख्य प्राणियों को मोक्षमार्ग का संदेश सुनाती ही रहेगी ।

– डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1.	क्रमांक	9.	वर्ण
2.	प्रत्याशी का पूरा नाम	10.	व्यवसाय
3.	स्वयं / मामा का गोत्र	11.	वार्षिक आय
4.	जन्म दिनांक	12.	कुंडली मिलान
5.	जन्म समय (पत्रिका अनुसार)	13.	मंगली
6.	जन्म स्थान	14.	पत्र व्यवहार का पता
7.	शिक्षा	15.	फौन / मोबाईल नं.
8.	कद / वजन	16.	प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. 001
2. प्रशांत अशोक कुमार जैन
3. गुड़ारे / सिंघई
4. 26.06.1993
5. 2.05
6. गौर, टीकमगढ़
7. बी.ई. (एम.ई.)
8. 5'6''/62 कि.
9. गोरा
10. असि. मैनेजर एस्सार ग्रुप
11. 5.16 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. ग्राम पोस्ट गौर जिला टीकमगढ़
15. 7583086123, 9630908558

1. 002
2. अविन राजेन्द्र जैन
3. पंचरतन/फम्मीश
4. 24.07.89
5. 23.44
6. इन्दौर
7. एम.बी.ए., बी.ई (सी.एस)
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस–जेनसर, पुणे
11. 24.50 लाख
12. –
13. –
14. डीकेएन–230, स्कीम नं. 74–सी विजय नगर, इन्दौर
15. 9424013136

1. 003
2. अमित कुमार प्रकाशचन्द्र जैन
3. पंचरतन/भंडारी
4. 11.10.1991
5. 20.25
6. शाजापुर
7. बी.ई, आई.टी
8. 5'5''/55 कि.
9. गोरा
10. सर्विस–पूने
11. 7.50 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 325/2, आदर्श कॉलोनी, शाजापुर
15. 8839551061, 9826725323

1. 004
2. ऋषभ एन.के जैन
3. पवैया/–
4. 16.12.1991
5. 11.03
6. सीधी
7. बी.ई (ई.सी.)
8. 5'10''
9. गोरा
10. सर्विस–पूना
11. –
12. –
13. –
14. 41/92, आवासीय कॉलोनी वैढ़ान जिला सिंगरोली
15. 9993060460, 9424772200

1. 005
2. अभिषेक दिलीप कुमार जैन
3. पंचरतन/वैद्य
4. 12.03.1988
5. 14.10
6. अहमदाबाद
7. एम.फार्मा
8. 5'11''/61कि.
9. गोरा
10. सर्विस–अहमदाबाद
11. 6 लाख
12. हाँ
13. –
14. 122/953, गुजरात हाउसिंग बोर्ड, हटकेश्वर, पुलिस थाने के पास, अहमदाबाद
15. 9824061985, 07922732880

1. 006
2. आकाश डॉ. आजाद जैन
3. पंचरत्न/देदादपूरी
4. 07.10.90
5. 06.45
6. अहमदाबाद
7. एम.जी. रेडियालॉजी
8. 6'/–
9. साफ
10. सर्विस
11. –
12. –
13. –
14. 7, पी एंड टी कॉलोनी सोसायटी मणी नगर, अहमदाबाद
15. 9824546891, 9408761347

1. 007
2. साहिल स्वराज जैन
3. पटवारी/गोयल
4. 01.09.1983
5. 19.55
6. दिल्ली
7. एम.बी.ए, बी.कॉम
8. 5'7''/60 कि.
9. गोरा
10. सर्विस–बैंक मैनेजर
11. 10 लाख
12. –
13. –
14. ए/55/33, बलबीर नगर एक्स., गली नं. 16, शाहदरा, दिल्ली–32
15. 011–22320454, 09899614433

1. 008
2. रवीश रवीन्द्रकुमार जैन
3. सिंघई/धमलैया
4. 23.08.1990
5. 14.37
6. झांसी
7. बी.टेक (आई.टी.)
8. 5'8''
9. गेहुँआ
10. सर्विस–डेल, बैंगलोर
11. 6.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. जैन मंदिर के पास, तिलक नगर झांसी
15. 9451832713

1. 009
2. आनंद अजीतकुमार जैन
3. वैद्य/पटवारी
4. 02.10.90
5. 13.30
6. इन्दौर
7. बी.ई, साफ्टवेयर इंजी.
8. 6'7''/63 कि.
9. साफ
10. सर्विस
11. 6.00 लाख
12. –
13. नहीं
14. 257, डी.के.एन. स्कीम नं. 74 विजय नगर, इन्दौर
15. 8817440416, 9893768169

1. 010
2. अंचल अनिलकुमार जैन
3. पंचरतन/बिलकआ
4. 08.04.90
5. 08.40
6. इन्दौर
7. बी.फार्मा, एमबीए
8. 5'5''
9. गेहुँआ
10. सर्विस – भोपाल
11. 3.00 लाख
12. –
13. नहीं
14. 355, स्कीम नं. 103 केशर बाग रोड, इन्दौर
15. 9826352415, 8839253730

1. 011
2. अखिलेश कुमार विजय कुमार जैन
3. फगीश / प्रधान
4. 15.07.1987
5. –
6. –
7. एम.बी.ए. बी.सी.ए.
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. सर्विस–फरिदाबाद
11. 4.20 लाख
12. –
13. –
14. ग्राम पोस्ट, मड़िया जिला टीकमगढ़
15. 7470567535, 9977137082